पहली बार कान्हा अपने मन की पीड़ा ब्यान कर रहे हैं | By Sanjay Agarwal

एक बार कान्हा भी बनकर तो देखो प्यारे
क्या क्या ना कष्ट सहे
द्वापर का कृष्णा भी बनकर देखो देखो
क्या क्या ना कष्ट सहे

जिसने मुझे जनम दिया उनका ना प्यार मिला
ना माँ की ममता और ना बाप का लाड मिला
यूँ मात पात से दूर रहकर देखो तो प्यारे
क्या क्या ना कष्ट सहे
एक बार कान्हा भी बनकर.....

गोकुल के संग राधा से नाता है टूटा
मुझे पालने वालों से भी संग मेरा छूटा
अपनों का संग यूँ छोड़ कर के देखो तो प्यारे
क्या क्या ना कष्ट सहे
एक बार कान्हा भी बनकर.....

मैंने धर्म की रक्षा को पांडव का साथ दिया
फिर भी गांधारी ने मुझको ही श्राप दिया
बेवजह किसी का श्राप लेकर देखो तो प्यारे
क्या क्या ना कष्ट सहे
एक बार कान्हा भी बनकर.....

दुनिया मुझको छलिया और माखन चोर है कहती
संजय फिर भी मुख पे हर दम मुस्कान है रहती
ताने सुनकर भी मुस्कुरा कर देखो तो प्यारे
क्या क्या ना कष्ट सहे
एक बार कान्हा भी बनकर.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%b9%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%80/